साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है संपर्क करें ...
संपर्क करे- 9425156055

वर्ष-10 अंक-12 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 01 मई 2026 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ-08 मूल्य 2 रूपये

LAW NOTES- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 39 राज्य को किस प्रकार की नीति बनाने को निर्देशित करता है, जानिए

समाजवादी समाज की रचना को साकार रूप देने वाला यह एक महत्वपूर्ण अनुच्छेद है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सपनों का भारत इस अनुच्छेद की एक महत्वपूर्ण व्यवस्था है। महात्मा गांधी एक ऐसे भारत की कल्पना करते थे जहाँ न कोई अमीर हो, न कोई निर्धन। वे ऊँच-नीच का भेद भाव भी नहीं करते थे। जानिए अनुच्छेद 39 राज्य को किस प्रकार की नीति बनाने का निर्देश देता है। भारतीय संविधान अधिनियम,1950 का

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

अनुच्छेद 39 की परिभाषा

राज्य अनुच्छेद 39 के अनुसार समाज कल्याण के लिए निम्न प्रकार की नीतियां बना सकते हैं:-

1. सभी नागरिकों के लिए आजीविका के पर्याप्त साधन उपलब्ध करवाना।
2. भौतिक संपत्ति के स्वामित्व एवं नियंत्रण का सामुहिक हित मे वितरण करना।
3. धन एवं उत्पादन के साधनों का विकेंद्रीकरण करना।
4. स्त्री एवं पुरुष को समान कार्य के लिए समान वेतन देना।
5. पुरूष, स्त्री एवं बालकों की शोषण से रक्षा करना।

Constitution of India Article 39

राज्य उपरोक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उत्पादन के साधनों एवं यातायात के साधनों का राष्टीयकरण कर सकता है।

विमानन क्षेत्र में मध्यप्रदेश को बनाएं रोल मॉडल: मुख्यमंत्री डॉ.यादव

रीवा से सर्वाधिक 24 हजार यात्रियों ने लिया हवाई सेवाओं का लाभ

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विमानन क्षेत्र में मध्यप्रदेश को देश का रोल मॉडल बनाने के प्रयास किए जाएं। प्रदेश के दूरस्थ इलाकों के साथ ही पड़ौसी राज्यों के यात्रियों को भी विमानन सेवाएं लाभान्वित करती हैं। मध्यप्रदेश के पर्यटन क्षेत्र का महत्व बढ़ाने की दृष्टि से भी ये सेवाएं महत्वपूर्ण हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में हुई बैठक में विमानन विभाग के कार्यों की जानकारी प्राप्त कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विमानन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में विकसित होने वाले मेट्रोपोलिटन क्षेत्रों और विभिन्न औद्योगिक संस्थानों के परिसर में हैलीपेड निर्माण को प्राथमिकता दी जाए। हैली सेवाओं के विस्तार के लिए हैलीपेड निर्माण में निजी क्षेत्र का सहयोग प्राप्त किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने उज्जैन एयरपोर्ट के विकास के लिए संचालित कार्यों को समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि उज्जैन एयरपोर्ट में एयरफील्ड का कुल क्षेत्रफल 95 एकड़ है। राज्य सरकार के निर्णय के अनुसार उज्जैन एयरपोर्ट 2700 मीटर लंबाई के रनवे के साथ कुल 4 हजार 100 मीटर लंबाई में विकसित होगा। इसके लिए अधिग्रहित की जाने वाली भूमि के लिए 590 करोड़ रुपए की मुआवजा राशि स्वीकृत की जा चुकी है। सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए एयरपोर्ट उपयोगी होगा। उन्होंने निर्देशित किया कि एयरपोर्ट के विकास के सभी कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए। बैठक में पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा के संचालन के संबंध में भी चर्चा हुई।

रोजगारपरक एविएशन पाठ्यक्रम का लाभ युवाओं को दिलवाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में विमानन सेवाओं के विस्तार के साथ दक्ष पायलट और अन्य प्रशिक्षित अमले की आवश्यकता होगी। नई शिक्षा नीति में एविएशन पाठ्यक्रम को रोजगारपरक शिक्षा की श्रेणी में शामिल किया गया है। उन्होंने प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा एविएशन कोर्स का लाभ युवाओं को दिलवाने के लिये प्रयास करने के ?निर्देश दिये।

सफल है प्रदेश की विमानन नीति, रीवा से 24 हजार यात्रियों ने उठाया हवाई सेवा का लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश नागरिक विमानन नीति-2025 गत फरवरी 2025 में जारी की गई थी। नीति में विमानन क्षेत्र की समग्र वैल्यू चैन के लिए कई तरह के प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है। मध्यप्रदेश से बनारस और पटना जैसे बड़े नगरों के लिए विमान सेवा प्रारंभ करने का प्रयास किया जाए ताकि धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन मिले। प्रदेश की विमानन नीति की सफलता में नए आयाम जोड़ें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विमानन नीति की सफलता के लिए विभाग के अधिकारियों को बधाई दी। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के एयरपोर्ट से नए गंतव्यों को हवाई मार्ग से जोड़ने के लिए वित्तीय सहायता भी शिड्यूल्ड ऑपरेटर्स को दी जा रही है। मध्यप्रदेश नागरिक विमानन नीति-2025 की सफलता का ही यह प्रमाण है कि गत छह माह में रीवा से 24 हजार यात्रियों ने हवाई सेवा का लाभ उठाया है।

MV Act 1988-एंबुलेंस या सरकारी वाहनों का रास्ता रोकने वाले को क्या सजा मिलती है, यहां पढ़िए

Motor Vehicles Act, 1988-blocking the way of ambulances or government vehicles

कई बार कुछ लोग विभिन्न कारणों से एंबुलेंस या सरकारी वाहनों का रास्ता रोक लेते हैं। वाहन चलाते समय फोन पर बात करते हैं। सड़क किनारे सूचनाओं को पढ़ते हुए चलते हैं। यातायात के निर्देशों का पालन नहीं करते। लोगों को पता नहीं होता कि उपरोक्त प्रकार की गलतियों में ट्रैफिक पुलिस चालान नहीं काटते बल्कि पुलिस थाने में FIR दर्ज की जाती है और अपराधी को जेल भेजा जाता है।

मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 184 की परिभाषा

जो कोई व्यक्ति जानबूझकर कर किसी भी प्रकार के मोटर वाहन को इस प्रकार चलाएगा-

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

* अवैध प्रकार से लाल बत्ती को पार करेगा।
* स्टॉप साइन या सिंग्नल का उल्लंघन करेगा।
* गाड़ी चलाते समय फोन बात करेगा या सूचनाओं को पढ़ेगा।
* किसी वैध वाहन के सामने गाड़ी चलाएगा जैसे पुलिस, एम्बुलेंस आदि।
* सड़क निर्देशों, सांकेतिक चिन्हों का पालन नहीं करना, राइट साइट वाहन न चलाना।
* या किसी वाहन को खतरनाक तरीके से चलाएगा।

ऐसे वाहन चालक के खिलाफ उपर्युक्त धारा-184 के अंतर्गत दण्ड का प्रावधान:-

* प्रथम बार दोष सिद्ध होने पर अधिकतम एक वर्ष की कारावास या अधिकतम पाँच हजार रुपये जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जा सकता है।
* द्वितीय बार वही अपराध करने वाले चालक को अधिकतम तीन वर्ष की कारावास या दस हजार रुपए जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जा सकता है

लँगूर द्वारा बालकनी से गिरते बच्चे को 'बचाने' का वीडियो चकित करने वाले वीडियो की सच्चाई

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

एक वीडियो ऑनलाइन शेयर किया गया है जिसमें दावा किया जा रहा है एक लँगूर चमत्कारिक रूप से एक बच्चे को बालकनी से गिरने से बचाता हुआ दिखाया गया है। वीडियो में कथित तौर पर एक बच्चा बालकनी से खतरनाक तरीके से लटका हुआ है और गिरने ही वाला है। तभी अचानक कहीं से एक लँगूर बच्चे की ओर कूदा, उसे पकड़ लिया और उसे सुरक्षित नीचे ले आया। ऐसा लगता है कि वह उसी इमारत की दूसरी मंजिल की बालकनी पर आ गिरा। हालांकि जांच में पाया गया है कि यह वीडियो एआई द्वारा बनाया गया है और दर्शकों को गुमराह करने के लिए ऑनलाइन शेयर किया गया है। एक यूजर ने 18 अप्रैल को एक वीडियो शेयर किया, जिसमें दावा किया गया था कि यह एक वास्तविक घटना है। एक लँगूर ने एक बच्चे को बालकनी से गिरने से बचाया, जिसे देखकर हर कोई दंग रह गया। हालांकि, कई परीक्षण के बाद एवं अकाउंट और उसकी सामग्री की समीक्षा करने के बाद पाया गया कि यह एआई-जनरेटेड कंटेंट शेयर करने के लिए जाना जाता है।

राज्यपाल भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारीयों से लोकभवन में मिले

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि भारतीय वन सेवा, महज प्रशासनिक दायित्व नहीं बल्कि मानवता, प्रकृति, वन्य जीव, सांस्कृतिक धरोहर और भावी पीढ़ियों के प्रति भी एक उत्तरदायित्व है। आप सभी सौभाग्यशाली है, जिन्हें जीवन भर प्रकृति की गोद में रहकर उसके संरक्षण और संवर्धन का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षु अधिकारी, वन कानूनों और जनजातीय कल्याण के प्रावधानों का गहनता से अध्ययन करें, उन्हें समझे और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप लागू करें। प्रशिक्षण की सीख को प्रकृति, वन, वन्य जीव और स्थानीय जन जीवन की बेहतरी में उपयोग करें। उनके कल्याण प्रयासों में ही आपकी सेवा की सार्थकता है। यह याद रखें कि आपका आत्मीय व्यवहार, वंचितों के प्रति समानुभूति और संवेदनशीलता ही आपकी सफलता का अंतिम पैमाना होगी। राज्यपाल सोमवार को भारतीय वन सेवा के 2024-26 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों के सौजन्य भेंट कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को अखिल भारतीय सेवा में चयन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। लोकभवन के बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रमुख सचिव मौजूद थे।राज्यपाल ने कहा कि प्राकृतिक असंतुलन, पर्यावरणीय चुनौतियों आदि के कारण वन एवं वन्य जीवन के संकट का समाधान अत्यंत जरूरी है। वन अधिकारी के रूप में पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन आपका प्राथमिक दायित्व है। इसके लिए आपकी सोच, संकल्प और सेवा का भाव सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों के साथ हमेशा आत्मीय, सरल और सहज व्यवहार करें। अपने अच्छे व्यवहार और सहयोग से उनका विश्वास जीते। वनों की अवैधानिक कटाई, शिकार आदि समस्याओं के समाधान में स्थानीय लोगों का सहयोग प्राप्त करें। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ÷एक पेड़-माँ के नाम÷ अभियान की चर्चा की। इसे स्थानीय सहभागिता से प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन की सराहनीय पहल बताया। मध्यप्रदेश जैव विविधता की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध राज्य है। यहाँ की वन भूमि प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर होने के साथ हमारी गौरवशाली सभ्यता, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को भी संजोए हुए हैं। प्रदेश में विस्तृत और विश्व प्रसिद्ध वन, अनेक राष्ट्रीय उद्यान, अभ्यारण्य है। मध्यप्रदेश बाघ, चीतल, तेंदुआ, गिद्ध, घड़ियाल और चीता स्टेट के रूप में प्रसिद्ध है। राज्य में गैंडा, हाथी आदि वन्य जीवों के पुनर्वास के अभूतपूर्व प्रयास भी चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि वन विभाग के वैज्ञानिक प्रबंधन प्रयासों के फलस्वरूप मध्यप्रदेश आज वन-वन्य जीव प्रबंधन में अग्रणी राज्य है। देश में जनजातीय आबादी और वनों में मध्यप्रदेश प्रथम है। यहाँ की प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहरों को समावेशी विकास और संरक्षण के द्वारा और अधिक समृद्ध बनाना आपकी जिम्मेदारी है। जनजातीय संस्कृति, परंपराओं, विश्वास, मान्यताओं और मौलिकता के प्रति सम्मान के भाव के साथ कार्य करना, आपका नैतिक और संवैधानिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय के प्राकृतिक और संवैधानिक अधिकारों के रक्षक के रूप में उनके सशक्तिकरण और कल्याण में आपकी भूमिका बहुत प्रभावी है। अपनी प्रतिभा और ज्ञान का उपयोग पर्यावरणीय चुनौतियों, जलवायु परिवर्तन, घटते वन क्षेत्र, जैव विविधता के संकटों के समाधान में करें। आउट ऑफ बॉक्स थिंकिंग के साथ वन, वन्य जीवों और स्थानीय लोगों के संरक्षण और संवर्धन का कार्य करें। जनजातीय समुदाय की प्रकृति आधारित जीवन शैली, जड़ी-बूटियों के ज्ञान और कला की मौलिकता से आधुनिक जगत को परिचित कराएं। उनके लिए सतत आजीविका के प्रयासों में सहयोग करें। जब भी मैदानी भ्रमण पर जाएं तो स्थानीय लोगों से उनके बच्चों की शिक्षा की जानकारी जरूर लें। उन्हें शिक्षा का महत्व बताएं। अभिभावकों और बच्चों के साथ शिक्षा से जीवन में होने वाले बदलावों के संबंध में प्रेरक संवाद करें।

बाघों की वापसी से 'शांत कॉरिडोर'बना समृद्ध वन्य-जीव आश्रय वन्यजीव संरक्षण और इको-टूरिज्म का आदर्श मॉडल

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्राकृतिक रूप से बाघों की बढ़ती मौजूदगी के कारण खिवनी वन्य-प्राणी अभयारण्य वन्यजीव संरक्षण की सफलता का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है।खिवनी को एक सुदृढ़ बाघ आवास के साथ-साथ प्रमुख इको-टूरिज्म स्थल के रूप में विकसित करना है, जिससे संरक्षण और पर्यटन दोनों को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि खिवनी आने वाले समय में वन्यजीव संरक्षण और इको-टूरिज्म का आदर्श केंद्र बनेगा मालवा-निमाड़ क्षेत्र के शुष्क पर्णपाती वनों में स्थित लगभग 134.7 वर्ग किलोमीटर में फैला खिवनी अभयारण्य, जो पहले केवल रातापानी जैसे बड़े वनों को जोड़ने वाला 'ट्रांजिट कॉरिडोर' माना जाता था, आज बाघों के सुरक्षित प्रजनन स्थल के रूप में स्थापित हो चुका है।खिवनी में बाघ 'युवराज' और 'मीरा' ने इसे अपना स्थायी ठिकाना बनाकर नई पहचान दी है। वन विभाग द्वारा मीरा के तीन शावकों को जन्म देने की पुष्टि की गई है। ये शावक अब अपनी मां के साथ जंगल में सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। वर्तमान में खिवनी में लगभग एक दर्जन बाघों की मौजूदगी दर्ज की जा रही है, जो इस क्षेत्र के पारिस्थितिक पुनर्जीवन का स्पष्ट संकेत है।खिवनी में वन्यजीवों की बढ़ती गतिविधियां, जैसे जंगली कुत्तों (ढोल) की सक्रियता, तेंदुए, लकड़बग्घा, सियार और भालू की उपस्थिति तथा चौसिंगा जैसे दुर्लभ शाकाहारी जीवों की मौजूदगी ने इसे संतुलित शिकार-शिकारी श्रृंखला और सुदृढ़ पारिस्थितिकी तंत्र के

पुनर्स्थापना का उदाहरण बना दिया है।खिवनी वन्यजीव संरक्षण की नींव 1982 में रखी गई थी। बाद में खिवनी क्षेत्र का विस्तार कर सीहोर जिले के वन क्षेत्रों को भी इसमें शामिल किया गया। अब यह क्षेत्र वन्यजीवों के लिए जीवनरेखा सिद्ध हो रहा है। राज्य सरकार अब ओंकारेश्वर वन्य-प्राणी अभयारण्य के विकास के माध्यम से इस ट्रांजिट कॉरिडोर नेटवर्क को और मजबूत करने की दिशा में कार्य कर रही है। खिवनी अभयारण्य केवल एक वन क्षेत्र नहीं, बल्कि पुनर्जीवन, संतुलन और नई उम्मीद की प्रेरक कहानी है, जो मध्यप्रदेश को वन्यजीव संरक्षण और इको-पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान दिला रही है।

बोलेरो-बाइक चकनाचूर, टला बड़ा हादसा

अनूप कुमार गुप्ता ब्यूरो ब्यूरो

सीधी। सीधी जिले में तेज आंधी-तूफान के दौरान एक विशाल आम का पेड़ बोलेरो और बाइक पर गिर गया, जिससे दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए. वाहन में सवार तीनों लोग, जिनमें एक बच्चा भी शामिल था, सुरक्षित बच निकले. स्थानीय लोगों की मदद से राहत कार्य किया गया और बड़ा हादसा टल गया.

आंधी-तूफान में गिरा पेड़, बाल-बाल बचे लोग आंधी-तूफान में गिरा पेड़, बाल-बाल बचे लोग

सीधी जिले में गुरुवार सुबह अचानक बदले मौसम ने तबाही मचा दी. तेज आंधी-तूफान और बारिश के बीच अमिलिया थाना क्षेत्र में एक विशाल आम का पेड़ सड़क किनारे खड़े वाहनों पर गिर पड़ा. हादसे में बोलेरो और बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि गनीमत रही कि वाहन में सवार सभी लोग सुरक्षित बच निकले.

सड़क किनारे खड़ी बोलेरो पर गिरा पेड़

घटना अमिलिया थाना क्षेत्र के कोदौरा बाजार सजवानी के पास बहरी-हनुमना मार्ग पर सुबह करीब 9ः35 बजे हुई. अचानक आए तेज तूफान के दौरान एक विशाल आम का पेड़ सड़क किनारे खड़ी बोलेरो (ष्ट्ल 12 क्र6131) पर गिर गया, जिससे वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. पेड़ गिरने की चपेट में पास में खड़ी एक मोटरसाइकिल भी आ गई, जो पूरी तरह चकनाचूर हो गई. दोनों वाहनों को भारी नुकसान हुआ, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई.

मौलाना आज़ाद सेंट्रल लाइब्रेरी भोपाल में कलेक्टर की उपस्थिति में 250 नई पुस्तकों की लॉन्चिंग

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने सेंट्रल लाइब्रेरी का किया भ्रमण, दिए महत्वपूर्ण निर्देश विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर शासकीय मौलाना आज़ाद सेंट्रल लाइब्रेरी भोपाल में 250 नवीन साहित्यिक पुस्तकों की लॉन्चिंग की गई।इस अवसर पर भोपाल कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी ने पुस्तकालय का भ्रमण किया और पुस्तकालय की सदस्यता ग्रहण कर आम नागरिकों से भी जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने RFID तकनीक, सेल्फ इश्यू-रिटर्न कियोस्क एवं OPAC सिस्टम का अवलोकन किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने दिए महत्वपूर्ण निर्देश ट्रेनिंग सेंटर डेवलप किया जाए– पुरानी पांडुलिपियों एवं गजेटियर को संरक्षित करने हेतु लाइब्रेरी में विशेष प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जाए। सदस्य सहयोग बढ़ाया जाए – पुस्तकालय से सिलेक्ट हुए सदस्यों से कोऑर्डिनेशन कर पुस्तकालय के विकास में सहयोग का आग्रह किया जाए। RRRLF कोलकाता से जोड़ा जाए – राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन, कोलकाता से मिलने वाली योजनाओं से पुस्तकालय को जोड़ा जाए। रिसर्च प्लेटफॉर्म पर रजिस्ट्रेशन – INFLIBNET, शोधगंगा, गंगोत्री आदि प्लेटफॉर्म पर लाइब्रेरी का रजिस्ट्रेशन कराया जाए जिससे रिसर्च करने वाले छात्रों को डाटा मिल सके। तकनीकी उन्नयन – लाइब्रेरी को नए उपकरणों से विकसित किया जाए एवं आधुनिक सुविधाओं में वृद्धि की जाए। पुस्तकालय की प्रमुख उपलब्धियाँ 117 वर्ष की धरोहर – वर्ष 1908 में स्थापित यह पुस्तकालय मध्यप्रदेश का सबसे पुराना एवं समृद्ध ज्ञान-केंद्र है जहाँ 1 लाख से अधिक दुर्लभ पुस्तकें एवं पांडुलिपियाँ संरक्षित हैं। डिजिटल मध्यप्रदेश की ओर कदम – प्रदेश की पहली RFID-युक्त शासकीय लाइब्रेरी जहाँ दुर्लभ ग्रंथों का डिजिटलीकरण युद्धस्तर पर जारी है। युवा-केंद्रित पहल – प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु समर्पित %स्टडी सर्किल% एवं निःशुल्क वाई-फाई सुविधा के साथ यह लाइब्रेरी युवाओं के लिए %करियर हब% बन रही है। इस अवसर पर जिला प्रशासन के अधिकारी के साथ पुस्तकालय क्षेत्रीय ग्रंथपाल,मैनेजर एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

राज्य शिक्षा केन्द्र ने परीक्षा को लेकर जारी की समय सारिणी कक्षा पाँचवीं, आठवीं की पुनः परीक्षा एक जून से

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल।

मध्यप्रदेश शिक्षण सत्र 2025-26 की मुख्य परीक्षा में अनुत्तीर्ण,अनुपस्थित कक्षा 5वीं एवं 8वीं के विद्यार्थियों के लिए पुन- परीक्षा होगी। यह परीक्षा 1 से 6 जून 2026 के बीच होगी। इसमें प्रदेश के समस्त शासकीय, मान्यता प्राप्त अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त शालाओं और पंजीकृत मदरसों में अध्ययनरत कक्षा 5वीं व 8वीं के विद्यार्थी शामिल होंगे। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र ने दिशा निर्देश भी जारी कर दिए हैं।कक्षा 5वीं एवं 8वीं की दोबारा परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थी अपना प्रवेश पत्र राज्य शिक्षा केन्द्र के परीक्षा पोर्टल 222.द्धद्मद्धद्बद्ध.द्वठ्ठ के माध्यम से डाउनलोड कर सकेंगे। पुन- परीक्षा के लिए शाला प्रमुख,जनशिक्षा केन्द्र प्रभारी,बी.आर.सी.सी., डी.पी.सी. के लॉगिन अंतर्गत परीक्षा पोर्टल से परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र डाउनलोड करने की सुविधा रहेगी। सभी बी.आर.सी.सी. को निर्देशित किया गया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके ब्लॉक के सभी विद्यार्थियों को संबंधित शाला के प्रधान पाठक के माध्यम से 25 मई तक प्रवेश पत्र अनिवार्य रूप से प्राप्त हो जाए।संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र हरजिंदर सिंह ने बताया कि जारी निर्देश में स्पष्ट कहा गया है कि पुन- परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा आयोजन से पूर्व शाला स्तर पर विषयवार अतिरिक्त शिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। परीक्षार्थियों द्वारा पूर्व में प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण नहीं करने अथवा प्रोजेक्ट कार्य में 7 से कम अंक होने की स्थिति में छात्रों से अनुत्तीर्ण अथवा अनुपस्थित रहे विषयों के प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण करवाकर शाला स्तर पर मूल्यांकन किया जाए एवं प्रोजेक्ट के प्राप्तांकों की प्रविष्टि परीक्षा पोर्टल पर कराई जाएगी। कक्षा 5वीं व 8वीं की पुन- परीक्षा के लिए

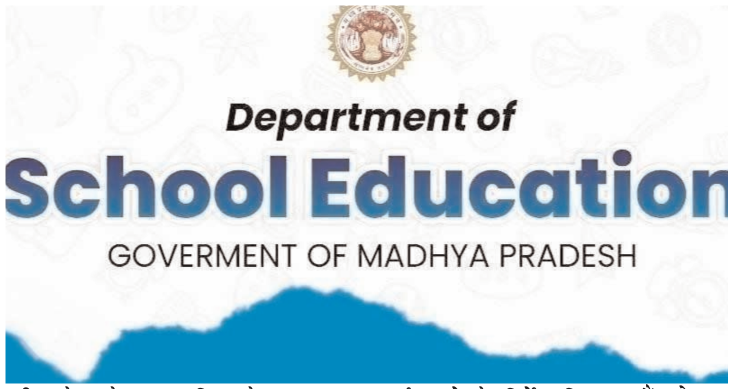

परीक्षा केन्द्र केवल जनशिक्षा केन्द्र स्तर पर बनाए जाएंगे। अगर किसी जिले में किसी परीक्षा केन्द्र पर 500 से अधिक परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हों तो उस स्थिति में राज्य शिक्षा केन्द्र से अनुमति उपरांत दूसरा परीक्षा केन्द्र निर्धारित किया जा सकेगा। परीक्षा केन्द्र निर्धारण उपरांत शाला की मैपिंग संबंधित बी.आर.सी.सी. द्वारा 15 मई तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। दोबारा परीक्षा के लिए प्रश्नपत्रों की ऑन स्पॉट प्रिंटिंग निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर ही की जाएगी। परीक्षा पोर्टल से प्रश्नपत्रों को डाउनलोड एवं प्रिंट करने के लिए जिला परियोजना समन्वयक नोडल अधिकारी होंगे। इस सबंध में संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र ने निर्देशित किया है कि, निर्धारित परीक्षा केन्द्र पर न्यूनतम 2 कम्प्यूटर,लैपटॉप, 2 कार्यशील प्रिंटर, इंटरनेट, पर्याप्त ए-4 साइज पेपर, टोनर की उपलब्धता एवं सुगम विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। पुन- परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों की परीक्षा में उपस्थिति एवं परीक्षा केन्द्र तक पहुंचाने की जिम्मेदारी संबंधित शाला प्रमुख शिक्षक को दी गई है। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर शीतल पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही नियमित अंतराल पर बच्चों को पानी पिलाये जाने, लू-लपट व डिहाईड्रेशन से सुरक्षित रखने के लिए परीक्षा केन्द्रों में ओरल रिहाईड्रेशन साल्यूशन (ओ.आर.एस.) की उपलब्धता, पंखों की व्यवस्था एवं स्वास्थ्य संबंधी विषय स्थिति परिलक्षित होने की स्थिति में निकटस्थ स्वास्थ्य केन्द्र अथवा अस्पताल ले जाने की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए हैं।

रिश्वतखोरी पर कार्रवाई उदयपुरा नगर परिषद का उपयंत्री ट्रैप में पकड़ा गया

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा/ भोपाल। पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त श्री योगेश देशमुख के भ्रष्टाचार विरोधी सख्त निर्देशों एवं पुलिस उप महानिरीक्षक लोकायुक्त श्री मनोज सिंह के मार्गदर्शन में भोपाल लोकायुक्त इकाई द्वारा की गई ट्रैप कार्यवाही

आवेदक- श्री जयंत चतुर्वेदी, पिता श्री नवीन चतुर्वेदी, निवासी गुड शेफर्ड कॉलोनी, कोलार रोड, भोपाल

फर्म- नवीन बिल्डकॉम

आरोपी: 1. दीपांशु पटेरिया, पिता श्री कैलाश नारायण पटेरिया, उम्र 33 वर्ष, पद - उपयंत्री, नगर परिषद उदयपुरा, जिला रायसेन

2.शंकर साहू, पद - सहायक ग्रेड-2, नगर परिषद उदयपुरा

दिनांक- 28 अप्रैल 2026

ट्रैप राशि- ?2,00,000/- (दो लाख रुपये)

घटनास्थल- 6 नंबर हॉकर्स कॉर्नर के सामने, संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास के पास, भोपाल

घटना का विवरण:

आवेदक श्री जयंत चतुर्वेदी %नवीन बिल्डकॉम% फर्म के संचालक हैं। फर्म द्वारा नगर परिषद उदयपुरा के अंतर्गत बस स्टैंड का सी.सी. निर्माण कार्य एवं मेन रोड पर सी.सी. रोड निर्माण कार्य किया गया था। उक्त कार्य के लिए फर्म की दो सिक्योरिटी डिपॉजिट (SD) नगर परिषद उदयपुरा में जमा थी। इन दोनों स्ठ को रिलीज करने तथा अनुभव प्रमाण-पत्र जारी करने के एवज में नगर परिषद उदयपुरा में पदस्थ उपयंत्री दीपांशु पटेरिया एवं सहायक ग्रेड-2 शंकर साहू द्वारा आवेदक से 5,00,000/- रिश्वत की मांग की जा रही थी। आवेदक ने इसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक, लोकायुक्त भोपाल श्री दुर्गेश कुमार राठौर से की। उनके द्वारा गठित टीम ने दिनांक 28.04.2026 को आरोपी उपयंत्री दीपांशु पटेरिया को आवेदक से ?2,00,000/- की रिश्वत लेते हुए 6 नंबर हॉकर्स कॉर्नर, भोपाल के सामने रंगे हाथ पकड़ा। आरोपियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन 2018) की धारा-7, 12 एवं भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा-61 के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

ट्रैप दल सदस्य- उप पुलिस अधीक्षक अजय मिश्रा, उप पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र सिंह, उप पुलिस निरीक्षक रजनी तिवारी, निरीक्षक घनश्याम सिंह मर्सकोले, प्रधान आरक्षक नेहा परदेसी, प्रधान आरक्षक रामदास कुर्मी, आरक्षक मनमोहन साहू, आरक्षक रविंद्र शर्मा, आरक्षक मनोज मांझी, आरक्षक चैतन्य प्रताप सिंह

विदाई सम्मान: कर्तव्यनिष्ठा के साथ सेवाकाल पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए श्री इनायत खान

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

अमझोर, शहडोल। स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमझोर में स्वास्थ्य विभाग के समर्पित कर्मचारी श्री इनायत खान के अधिवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर एक भव्य विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने श्री खान को भावभीनी विदाई दी।

शासकीय सेवा में सेवानिवृत्ति एक स्वाभाविक प्रक्रिया

कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए पूर्व मंडी अध्यक्ष श्री राजेश तिवारी ने कहा कि शासकीय सेवा में आना और सेवानिवृत्त होना एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने श्री खान के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहा, ÷सेक्टर सुपरवाइजर एवं एमपीडब्लू के रूप में इनायत खान जी ने अपने दायित्वों का निर्वहन बड़ी कुशलता, जिम्मेदारी और कर्तव्यपरायणता के साथ किया है, जो समाज और विभाग के लिए अनुकरणीय है।÷ उन्होंने श्री खान के सुखद एवं स्वस्थ भविष्य की कामना करते हुए उन्हें अब शेष समय परिवार के साथ आनंदपूर्वक व्यतीत करने की सलाह दी।

1989 से शुरू हुआ था सेवा का सफर

उल्लेखनीय है कि श्री इनायत खान ने वर्ष 1989 में शासकीय सेवा में कदम रखा था। अपने लंबे कार्यकाल के दौरान उन्होंने जनकपुर (छत्तीसगढ़) और वर्ष 2009 से अब तक अमझोर (शहडोल) में अपनी उत्कृष्ट सेवाएँ दीं।

स्नेह और सहयोग रहेगा अविस्मरणीय- श्री खान

अपनी विदाई पर भावुक होते हुए श्री इनायत खान ने कहा, ÷मेरे पूरे सेवाकाल के दौरान सहकर्मियों और वरिष्ठ अधिकारियों से जो प्रेम और सहयोग मिला, वह मेरे जीवन की अनमोल पूंजी है।÷ उन्होंने इस दौरान अपने कार्य अनुभवों को भी साझा किया और सभी का आभार व्यक्त किया।

शाल-श्रीफल से हुआ सम्मान

समारोह के अंत में ग्राम सरपंच एवं उपस्थित अधिकारियों ने श्री खान को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन अमन तिवारी द्वारा किया गया।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति-

इस अवसर पर श्यामवती मिश्रा, ओमवती मौर्य, प्रिंस गुप्ता, अनुराग यादव, पुष्पा तिवारी, सरस्वती वर्मा, कुसुमकली, रीना, भारतलाल, प्रतिमा सहित स्वास्थ्य विभाग के अनेक अधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ऑपरेशन मुस्कान में बड़ी सफलताः तेलंगाना से सकुशल बरामद हुई 15 वर्षीय नाबालिग, अपहरणकर्ता गिरफ्तार

कोतवाली अनूपपुर पुलिस ने 11 दिन की सतत तलाश के बाद नाबालिग को परिजनों से मिलाया, शादी का झांसा देकर भगाने वाला युवक गिरफ्तार

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। मध्यप्रदेश पुलिस के विशेष अभियान ÷ऑपरेशन मुस्कान÷ के तहत अनूपपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कोतवाली अनूपपुर पुलिस ने 15 वर्षीय गुमशुदा नाबालिग बालिका को तेलंगाना राज्य से सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। मामले में नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने वाले आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा प्रदेशभर में नाबालिग बालिकाओं की तलाश और दस्तयाबी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान ÷ऑपरेशन मुस्कान÷ के अंतर्गत यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन में की गई। अभियान की मॉनिटरिंग अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम और एसडीओपी नवीन तिवारी के मार्गदर्शन में की गई।

जानकारी के अनुसार 19 अप्रैल 2026 को कोतवाली थाना क्षेत्र की 15 वर्षीय नाबालिग बालिका अचानक घर से बिना बताए लापता हो गई थी। काफी तलाश के बाद भी जब उसका पता नहीं चला, तब परिजनों की शिकायत पर कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 231/26 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी अरविंद जैन के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम में सहायक उपनिरीक्षक सतानंद कोल, प्रधान आरक्षक महेंद्र सिंह, आरक्षक दीपक बुंदेला, महिला आरक्षक कुंती शर्मा तथा साइबर सेल अनूपपुर से प्रधान आरक्षक राजेंद्र अहिरवार और आरक्षक पंकज मिश्रा को शामिल किया गया। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, साइबर इनपुट और लगातार पतासाजी के आधार पर नाबालिग की लोकेशन तेलंगाना राज्य के रंगारेड्डी जिले में ट्रेस की। इसके बाद पुलिस टीम ने तत्काल तेलंगाना रवाना होकर थाना सादनगर क्षेत्र अंतर्गत फारूखनगर में दबिश दी और वहां से नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि अनूपपुर जिले के ग्राम सकरा निवासी 20 वर्षीय गणेश सारथी, जो तेलंगाना में मजदूरी करता है, नाबालिग को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। पुलिस ने आरोपी को नाबालिग के साथ रंगारेड्डी जिले से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा नाबालिग को सकुशल दस्तयाब कर विधिसम्मत कार्रवाई के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। वहीं आरोपी गणेश सारथी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

अनूपपुर पुलिस की इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से न केवल एक नाबालिग बालिका को सुरक्षित उसके परिवार तक पहुंचाया जा सका, बल्कि ÷ऑपरेशन मुस्कान÷ के तहत पुलिस की संवेदनशीलता, तत्परता और तकनीकी दक्षता भी एक बार फिर सामने आई है। फिलहाल पुलिस मामले की विस्तृत विवेचना में जुटी है।

शादी की खुशियां मातम में बदलीः बरातियों से भरी पिकअप पलटी, एक की मौत तीन गंभीर

संभागीय संवाददाता - राजू राय

शहडोल।जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र के सेमरा तिराहे पर रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। बरातियों को लेकर लौट रहा मालवाहक वाहन अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, गोहपारू के सोनटोला गांव से एक बारात शनिवार को छत्तीसगढ़ के मलतढोल गई थी। विवाह समारोह के बाद सभी बाराती रविवार वापस अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान ग्राम सेमरा तिराहा के पास वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे पलट गया। हादसे के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए राहत कार्य शुरू किया और घायलों को बाहर निकालकर तत्काल गोहपारू अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना में सुंदर सिंह (40 वर्ष), पिता रामलाल, समेत तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने सुंदर सिंह की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें जिला चिकित्सालय शहडोल रेफर कर दिया, जहां जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इस घटना से परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं अन्य घायलों को भी बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे की वजह माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

जागरूकता कागजों तक

यातयात विभाग केवल कागजों में जागरूकता चला रहा है। बिना हेलमेट बाइक सवार सड़कों पर बाइक चला रहे है। पिकअप वाहन में तीन दर्जन से अधिक लोग सवार हो कर सफर कर रहे है। और इधर विभाग जागरूकता की बात कह रहा है कि हम लोगों को यातयात नियम का पाठ पढ़ा रहे है

बरखेड़ा स्कूल को मिली सुरक्षा की सौगात रेत कंपनी ने कराया बाउंड्रीवॉल निर्माण

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

बरखेडा / रायसेन न्ट्ठ मेसर्स वंशिका माइनिंग वर्क रेत कंपनी रायसेन द्वारा शासकीय उच्च माध्यमिक स्कूल बरखेड़ा मे सोशल ऐक्टिविटी के अंतर्गत लगभग 4 लाख रुपए से किचन शेड एवं बॉउन्ड्रीवाल निर्माण कार्य करवाया।

सरकारी स्कूलों में बाउंड्रीवॉल का निर्माण शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत एक महत्वपूर्ण कार्य है, जो छात्रों की सुरक्षा और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है। जिनमें निजी रेत कंपनी मेसर्स वंशिका माइनिंग वर्क का सहयोग शामिल है। यह कार्य मेसर्स वंशिका माइनिंग वर्क द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) फंड द्वारा करवाया गया। सरकारी विद्यालय में बाउंड्रीवॉल का निर्माण न केवल स्कूल परिसर को सुरक्षित बनाता है, बल्कि शिक्षा के स्तर में सुधार लाने में भी सहायक है। यह बच्चों के लिए एक बेहतर और सुव्यवस्थित माहौल तैयार करने की दिशा में कंपनी का एक सकारात्मक कदम है। प्राचार्या द्वारा यह बताया गया कि विद्यालय में खेल मैदान नहीं हैं और जिन स्कूलों में छोटा मैदान है, तो वह भी खेलने लायक नहीं हैं। क्योंकि यहां बाउंड्रीवॉल नहीं बनाई गई थी, जिससे स्कूल बंद होते ही असामाजिक तत्व पनपते हैं और कई जगहों पर खाली शराब की बोतले भी पड़ी रहती हैं। और यह स्कूल मुख्य सड़क पर हैं और खेलते समय यदि बच्चे सडक़ पर पहुंच जाएं, तो हादसा भी हो सकता है। बाउंड्रीवॉल न होने से सुबह स्कूल परिसर में गंदगी फैली मिलती है विद्यार्थी और स्टाफ को परेशानी होती थी। रेत कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा बाउंड्रीवॉल निर्माण का मुख्य उद्देश्य और प्रभाव को विस्तृत रूप से समझाया गया

1. सुरक्षा ञ बाउंड्रीवॉल बनने से स्कूल परिसर सुरक्षित हो जाता है, जिससे बाहरी आवारा मवेशी (गाय, कुत्ते, बकरियां) और असामाजिक तत्वों का प्रवेश रुक जाता है।
2. स्वच्छताञ स्कूल परिसर के आसपास गंदगी नहीं फैलती और स्कूल में कचरा डालने की समस्या भी दूर होती है।
3. बेहतर शैक्षणिक माहौलञ सुरक्षित और साफ वातावरण से पढ़ाई में व्यवधान कम होता है, जिससे बच्चों को बेहतर शिक्षा का माहौल मिलता है।
4. अभिभावकों की चिंता कमञ बाउंड्री न होने से सड़क पर वाहनों का डर रहता था, जो अब खत्म हो गया है। ज्

इस मौके पर स्कूल के बच्चों मे अलग ही प्रकार की खुशी ओर उमंग नजर आई। इससे उनका उत्साहवर्धन भी हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथि द्वारा बाउंड्रीवॉल में फलदार वृक्ष रोपित करके की गई।इस अवसर पर जिला खनिज निरीक्षक अर्चना ताम्रकार जी, स्कूल की प्राचार्य महोदया विभा राय जी,सरपंच सुरेश कुमार, अवध नारायण, विधयार्थी एवं रेत कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कल जो कहा आज वो किया: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अचानक पहुंचे गेहूं उपार्जन केंद्र किसानों से किया संवाद

कटनी

भोपाल। प्रदेश की किसान हितैषी सरकार के मुखिया मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव खरगोन जिले में मंडलेश्वर तहसील के कतरगांव स्थित उपार्जन केंद्र का औचक रूप से निरीक्षण पर पहुँचे। इस दौरान उन्होंने उपार्जन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया साथ ही आवश्यक दिशा निर्देश संबंधितों को दिए। गौरतलब है कि डॉ यादव ने उ महेश्वर में रात्रि विश्राम किया किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्ध मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कल यानी 29 अप्रैल को जो कहा था, वैसा ही 30 अप्रैल को किया। उन्होंने कहा था कि वे किसी भी गेहूं उपार्जन केंद्र का आकस्मिक दौरा कर सकते हैं। और, हुआ भी यही। वे आज सुबह अचानक खरगोन जिले के कतरगांव में बनाए गए उपार्जन केंद्र के निरीक्षण लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने उपार्जन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने यहां किसानों से चर्चा की और उनके साथ चाय भी पी। इसके अलावा उन्होंने केंद्र से संबंधित लोगों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। बता दें, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महेश्वर में 29 अप्रैल को रात्रि विश्राम किया था। मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों के लिए उपार्जन केंद्रों पर छाया, बैठक और कई अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की है। अब किसान जिले के किसी भी उपार्जन केन्द्र पर उपज विक्रय कर सकते हैं। इतना ही नहीं, किसानों को गेहूं की तौल के लिए इंतजार नहीं करना पड़े इसके लिए उपार्जन केन्द्रों में तौल कांटों की संख्या बढ़ाकर 6 कर दी गई है। सरकार जिलों में और भी तौल कांटे बढ़ा रही है। सरकार ने चमक विहीन गेहूं की सीमा भी 50 प्रतिशत कर दी है। सूकड़े दाने की सीमा 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत तक की गई है। क्षतिग्रत दानों की सीमा बढ़ाकर 6 प्रतिशत तक की गई है। किसानों के उपज की तौल समय पर हो सके इसके लिए बारदाने, तौल कांटे, हम्माल तुलावटी, सिलाई मशीन, कम्प्यूटर, नेट कनेक्शन, कूपन ,गुणवत्ता परीक्षण उपकरण, उपज की साफ-सफाई के लिए पंखा, छन्ना आदि व्यवस्थाएं उपार्जन केन्द्र पर उपलब्ध कराई जा रही

अब तक इतने लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी

गौरतलब है कि अभी तक प्रदेश में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए 9.83 लाख किसानों द्वारा 60.84 लाख मीट्रिक टन गेहूं के विक्रय के लिए स्लॉट बुक किए जा चुके हैं। प्रदेश में अभी तक 5 लाख 8 हजार 657 किसानों से 22 लाख 70 हजार मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है। पिछले साल समर्थन मूल्य पर 77 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया गया था। इस वर्ष युद्ध की विपरीत परिस्थितियों के बावजूद किसानों के हित में सरकार द्वारा 100 लाख मीट्रिक टन गेहूं के उपार्जन का लक्ष्य रखा गया है।

मां पीतांबरा बगलामुखी प्राकट्योत्सव 24/04/2026 धूमधाम से मनाया गया मां बगलामुखी सिद्व पीठ शंकराचार्य मठ जबलपुर

पंच महापर्व महाआरती महोत्सव शुभारम्भ

कटनी

साभार गजेन्द्र तिवारी कटनी मां जगत जननी मां पीतांबरा बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ जबलपुर बगलामुखी प्राकट्योत्सव में जगतगुरु ब्रह्मलीन स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज जी के परम कृपा पात्र वर्तमान में द्वारका शारदा पीठ शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज की उपस्थिति में मां बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ के पुजारी जी ब्रह्मचारी परम कृपा पात्र मां बगलामुखी साधक पूज्य गुरुदेव चैतन्यानंद जी महाराज जी द्वारा विशेष अर्चन किया गया एवं मां बगलामुखी महाआरती में संस्कारधानी जबलपुर के गणमान्य नागरिकों श्रृद्धालुओं की उपस्थिति श्री मनोज सेन पंडित तुलसी अवस्थी पंडित रविशंकर चौबे पंडित कमलेश शास्त्री जी के सानिध्य में मां बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ में दिनांक 24अप्रैल2026 धूमधाम से आयोजन के उपरांत 27 अप्रैल सोमवार एकादशी से पूर्णिमा तक रात्रि 9:00 बजे से मां बगलामुखी पीतांबरा की पंच महापर्व महाआरती बगलामुखी सिद्ध पीठ श्री शंकराचार्य मठ जबलपुर में प्रारंभ हो रही है समस्त भक्त सम्मिलित होकर के धर्म लाभ प्राप्त करें अनंत श्री विभूषित जगतगुरु शंकराचार्य ब्रह्मलीन स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज जी के निज सचिव पूज्य गुरुदेव सुबुध्नंद ब्रह्मचारी जी द्वारा विशेष संदेश मां बगलामुखी की पंच महापर्व महाआरती जबलपुर के जाने-माने डॉक्टर खरे जी आशीर्वाद प्राप्त करते हुए मां बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ जबलपुर जय जय मां सर्व शत्रु नाशक जय जय मां पीतांबरा बगलामुखी

माननीय पुलिस अधीक्षक महोदय श्री अभिनय विश्वकर्मा IPS के सख्त निर्देशन में

अवैध शराब *'ऑपरेशन शिकंजा' के तहत 109 माफियाओं पर प्रकरण दर्ज

कटनी

माननीय पुलिस अधीक्षक महोदय श्री अभिनय विश्वकर्मा द्वक्ष द्वारा शराब माफियाओं के नेटवर्क को जिले से उखाड़ने हेतु ऑपरेशन शिकंजा का अभियान चलाया जा रहा है। जिसकी तहत कटनी पुलिस द्वारा अवैध शराब निर्माण एवं विक्रय में संलिप्त व्यक्तियों पर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। इस कार्यवाही का उद्देश्य कटनी जिले में नशे के कारोबार पर पूर्णतया प्रतिबंध एवं नशे को जड़ से उखाड़ने हेतु संलिप्त कारोबारियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करना है। ऑपरेशन शिकंजा के तहत पुलिस अधीक्षक श्री अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ श्री संतोष डेहरिया के मार्गदर्शन एवं छ्स्क्क नगर पुलिस अधीक्षक महोदया श्रीमती नेहा पच्चीसिया कटनी नगर सीमा एवं जिले के समस्त अनुविभागीय पुलिस अधिकारियों स्छ्हक्क समस्त थाना प्रभारियों उनकी टीमों द्वारा एक साथ संपूर्ण जिले में रेड कार्यवाही को अंजाम दिया गया। जिसमें कार्यवाही के दौरान 109 व्यक्तियों पर आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए 109 प्रकरण दर्ज किए गए आरोपियों से कुल 475 लीटर अवैध देशी शराब,24 पाव अंग्रेजी शराब, 6 बियर की बोतल, 19 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई। जप्त अवैध शराब की कीमत 2,98,720 ?आकी गई। उक्त कार्रवाई में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है कटनी पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि यदि कहीं भी अवैध शराब के निर्माण या विक्रय की सूचना हो, तो तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 7587615946 पर सूचित करें। सूचना देने वाले का नाम पूर्णतः गोपनीय रखा जाएगा।

'समाज क्या कहेगा' को चुनौती–सामूहिक निर्णय, मजबूत सामाजिक बदलाव

विदिशा जिले के ग्राम झुकर जोगी से एक ऐसी खबर सामने आई है, जो केवल शोक नहीं बल्कि समाज की जड़ सोच को सीधी चुनौती देने वाला साहसिक कदम है। स्व. श्री कमर लाल जी आदिवासी (सेवानिवृत्त डिप्टी रेंजर) के निधन के बाद उनके परिवार ने बारहवीं (मृत्युभोज) जैसी प्रथा को त्यागकर एक नया सामाजिक संदेश दिया है।

17 अप्रैल 2026 को हुए निधन के बाद शोकाकुल परिवार–गोपाल सिंह, ब्रजेश सिंह, एड. सुनील कुमार आदिवासी, महेंद्र कुमार एवं समस्त परिजन–ने मिलकर यह सामूहिक निर्णय लिया कि वे शोक को दिखावे, खर्च और सामाजिक दबाव का माध्यम नहीं बनने देंगे।

यह निर्णय उस सोच के खिलाफ है, जहाँ ÷समाज क्या कहेगा÷ के डर में लोग कर्ज लेते हैं, जमीन गिरवी रखते हैं और कभी-कभी जीवनभर की कमाई एक दिन के प्रदर्शन में खत्म कर बंधुआ मजदूरी करने को

विवश हो जाते हैं। मृत्युभोज जैसी प्रथाएं गरीब परिवारों के लिए श्रद्धा नहीं, बल्कि आर्थिक और मानसिक पीड़ा का कारण बनती जा रही हैं।

राष्ट्रीय आदिवासी जनक्रांति संघ के संस्थापक एड. सुनील कुमार आदिवासी ने कहा–

÷हमने अपने समाज में देखा है कि शोक भी एक दिखावा बनता जा रहा है। यह प्रथा नहीं, मजबूरी है। हमने तय किया कि पिताजी की सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उस प्रथा को छोड़ें, जो गरीबों को तोड़ती है। बदलाव की शुरुआत हमें खुद से करनी होगी।÷

परिवार ने समाज से अपील की कि कोई भी उपहार, कपड़े या सामग्री न लाए–इस दुःख कि घड़ी मे केवल संवेदनाओ के लिए शामिल हो । 28 अप्रैल 2026 को आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धांजलि, गंगा पूजन, वृक्षारोपण और सादगीपूर्ण प्रसादी के माध्यम से एक नई सोच को आगे बढ़ाया गया–

शोक में प्रदर्शन नहीं, संवेदना हो।

इस अवसर पर कांग्रेस एवं भाजपा के कई वरिष्ठ नेता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण भी शामिल हुए और स्व. कमर लाल जी आदिवासी को श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने परिवार के इस साहसिक निर्णय की सराहना करते हुए इसे समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

यह पहल केवल एक परिवार का निर्णय नहीं, बल्कि उन हजारों गरीब परिवारों की पीड़ा की आवाज़ है, जो सामाजिक दबाव और दिखावे की प्रथाओं के बोझ तले दबे हैं। झुकर जोगी से उठी यह पहल अब एक सवाल बनकर समाज के सामने खड़ी है– क्या हम परंपरा निभा रहे हैं, या अनजाने में किसी को तोड़ रहे हैं ?

÷मृत्युभोज में खर्च नहीं, गरीब का दर्द दिखता है–और उसी दर्द को समझकर लिया गया यह निर्णय ही सच्ची श्रद्धांजलि है।÷

आनंदपुर ग्राम पंचायत में गंदगी से बढ़ा डेंगू-मलेरिया का खतरा, शिकायतों के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

लटेरी

आनंदपुर। ग्राम पंचायत आनंदपुर में फैली गंदगी और जाम नालियों के कारण डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। गांव की अधिकांश नालियां गंदगी से भरी पड़ी हैं, जिनमें जमा पानी मच्छरों के पनपने का प्रमुख कारण बन रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि लंबे समय से साफ-सफाई नहीं होने के कारण नालियां जाम हो गई हैं और पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। इसके चलते जगह-जगह पानी जमा हो गया है, जिससे डेंगू के मच्छर तेजी से पनप रहे हैं। वहीं, मलेरिया बुखार के मरीजों की संख्या भी धीरे-धीरे बढ़ने लगी है।

ग्रामीणों का कहना है कि इस गंभीर समस्या के बावजूद स्वास्थ्य विभाग और पंचायत प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। इतना ही नहीं, ग्रामीणों ने कई बार इस समस्या की शिकायत एसडीएम कार्यालय और जनपद

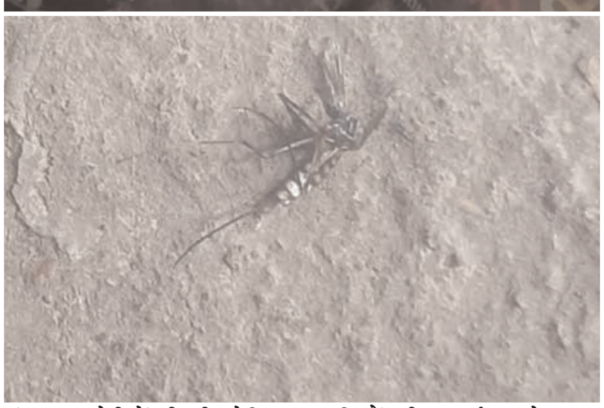

पंचायत लटेरी में भी की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। नियमित साफ-सफाई और फॉगिंग की व्यवस्था न होने से लोगों में बीमारी फैलने का डर बना हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द नालियों की सफाई कराने, जल निकासी की उचित व्यवस्था करने और मच्छर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है, ताकि गांव में फैल रही बीमारियों पर रोक लगाई जा सके।

सीएम हैल्पलाइन की शिकायतें अटेण्ड न करने वाले 14 अधिकारियों को नोटिस

ग्वालियर

सीएम हैल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज शिकायतें अटेंड न करना 14 अधिकारियों को भारी पड़ने जा रहा है, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने इन सभी अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। इनमें 13 अधिकारी एल-1 स्तर के व एक अधिकारी एल-2 स्तर का शामिल है। नोटिस का जबाव सभी को कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। इन अधिकारियों द्वारा शिकायतों के निराकरण के लिये समय-सीमा में कार्रवाई नहीं की। इस कारण शिकायतें बिना किसी कार्रवाई के उच्च स्तर पर प्रेषित हो गई हैं। इससे शिकायतों के निराकरण में अनावश्यक देरी हुई है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिन अधिकारियों को सीएम हैल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का निराकरण न करने के कारण जिन एल-1 स्तर के अधिकारियों को नोटिस जारी

किए हैं, उनमें विद्युत वितरण कंपनी के उप प्रबंधक उटीला प्रिंस कुमार वैश्य, सहायक यंत्री सुनील कुमार गुप्ता, प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी मुरार रविन्द्र सिंह कुशवाह, सहायक आपूर्ति अधिकारी सौरभ जैन, सहायक संपत्ति अधिकारी ग्रामीण शैलेन्द्र चौहान, सहायक संपत्ति अधिकारी जोन-17 देवेन्द्र बुधौलिया, प्रभारी नायब तहसीलदार सांखनी शिवदयाल शर्मा, सहायक प्राध्यापक राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय डॉ. श्याम सस्तोगी, सहायक आयुक्त वाणिज्यकर अभिषेक खरे, रीजनल मैनेजर कोटक महिन्द्रा बैंक आफाक मंसूरी, रीजनल मैनेजर देवेन्द्र पाल सिंह, रीजनल मैनेजर इंडियन ओवरसीज बैंक शंकरानंद झा व भवन निरीक्षक बृजेश राजपूत शामिल हैं।

इसी तरह एल-2 स्तर के अधिकारी कार्यपालन यंत्री पेयजल नगर निगम संजीव गुप्ता को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने इन सभी को स्पष्ट रूप से आगाह किया है कि भविष्य में सीएम हैल्पलाइन से संबंधित शिकायतों के निराकरण में पूरी सतर्कता बरतें व उत्तरदायित्व का निर्वहन करें। साथ ही शासन के द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए निराकरण सुनिश्चित करें।

आयुष्मान एवं स्वास्थ्य बीमा योजना अंतर्गत निःशुल्क इलाज , सर्जरी का लाभ उठाएं

ग्वालियर 29 अप्रैल 2026 ।

35 वर्षों से ग्वालियर चंबल संभाग का सुप्रसिद्ध हॉस्पिटल सेवा दे रहा है सहारा हॉस्पिटल सोफिया कॉलेज केंपस महलगांव सिटी सेंटर ग्वालियर में स्थित है जो पूर्व में बसंत विहार में संचालित था सहारा हॉस्पिटल में आयुष्मान योजना अंतर्गत जो बीमारियां आती हैं निऱ्शुल्क इलाज तथा ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध है इसी प्रकार स्वास्थ्य बीमा धारकों का निऱ्शुल्क इलाज किया जाता है सहारा हॉस्पिटल इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल दिल्ली का नेटवर्क है अस्पताल में 24 घंटे इमरजेंसी सेवा है एंबुलेंस उपलब्ध है एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज होता है तथा सभी प्रकार की जांचों की सुविधा उपलब्ध है अस्पताल में अत्याधुनिक ओ टी है तथा ट्रामा सेंटर है एम एल सी की भी सुविधा है आंचल में कहीं भी एक्सीडेंट हो या गन शॉट के कैस हो सभी हॉस्पिटल में आकर अस्पताल की सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं हॉस्पिटल 20 25 वर्षों से निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श शिविर ग्वालियर एवं चंबल अंचल में लगा रहा

है इन शिवरों में मरीज जाकर मरीज अपना स्वास्थ्य परीक्षण करा कर लाभ ले रहे हैं सहारा हॉस्पिटल के संस्थापक अंचल के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ ए एस भल्ला नाक कान गला रोग गरीबों की मदद करने में पीछे नहीं हटते हैं यह डॉक्टर भल्ला साहब की ही सोच है एक छत के नीचे सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज और सभी प्रकार की जांचों की सुविधा के साथ-साथ लंगर के माध्यम से ऑफिस हॉस्पिटल में आने वाले मरीजों तथा मरीज के साथ आने वाले अटेंडर और परिवार वालों को तथा बाहर से आने वाले मरीजों को लंगर के माध्यम से दोनों समय निऱ्शुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाता है इस प्रकार हॉस्पिटल ग्वालियर का मात्र एक अस्पताल है जो इस प्रकार की सभी सुविधाएं दे रहा है

सहारा हॉस्पिटल का निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर संपन्न शिविर में पहुंचकर कई मरीज ने लाभ उठाया

ग्वालियर 24 अप्रैल

सहारा हॉस्पिटल सिटी सेंटर ग्वालियर द्वारा ग्वालियर चंबल अंचल में निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श शिविर लगाऐ जा रहे हैं इसी कड़ी में 19 अप्रैल 2026 को ग्वालियर के आंतरी में लगाया गया आंतरी क्षेत्र के मरीज ने सेवर में पहुंचकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया और सहारा हॉस्पिटल की ओर से निशुल्क जांच निशुल्क दवा वितरण का भी खूब लाभ उठाया ।

ज्ञात रहे कि सहारा हॉस्पिटल सोफिया कॉलेज केंपस महलगांव सिटी सेंटर एक मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल है जो सीधे इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल का नेटवर्क है अत्याधुनिक उपकरणों से लैस ओटी है अस्पताल में ट्रामा सेंटर है एमएलसी की सुविधा भी उपलब्ध है गन शॉट एवं एक्सीडेंट के मरीजों को सीधे सहारा हॉस्पिटल में आते हैं तो भर्ती किया जाता है और रियायती दरों पर इलाज और ऑपरेशन किया जाता है अस्पताल में मरीज एवं मरीज के अटेंडरों को निशुल्क

भोजन लंगर के माध्यम से दोनों समय उपलब्ध रहता है मरीज के अटेंडर को भोजन के लिए इधर-उधर नहीं भटकना है और ना ही ना रिश्तेदारों और परिचितों को परेशान करना है अस्पताल की ओर से यह व्यवस्था लागू है सहारा हॉस्पिटल के संस्थापक सुप्रसिद्ध वरिष्ठ डॉ ए एस भल्ला नाक कान गला रोग विशेषज्ञ का सपना था कि एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज और सभी प्रकार की जांचों की की सुविधा अंचल की जनता को मिलना चाहिए इसी सपने को डॉ ए एस भल्ला साहब साकार कर रहे हैं हॉस्पिटल 35 साल पुराना है पहले हॉस्पिटल 19 - ए , बसंत विहार ग्वालियर में संचालित था अब सोफिया कॉलेज कैंपस महलगांव सिटी सेंटर जीवाजी यूनिवर्सिटी राजमाता विजय राजे सिंधिया प्रतिमा चौराहा और एजी ऑफिस पुल के बीचों बीच है सहारा हॉस्पिटल में आकर मरीज रियायती दरों पर इलाज करा कर लाभ उठा रहे हैं अस्पताल में आयुष्मान योजना से निशुल्क इलाज किया जाता है तथा स्वास्थ्य बीमा धारकों का कैशलेस इलाज किया जाता है ग्वालियर एवं चंबल अंचल की जनता अस्पताल में आकर खूब लाभ उठा रही है अस्पताल की एक और सबसे बड़ी विशेषता है की सभी प्रकार के मरीजों का तथा सभी प्रकार की बीमारियों का ईलाज रियायती दरों पर किया जाता है

निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श शिविर में कई मरीजों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण करा कर निशुल्क जांच एवं निशुल्क दवा वितरण का लाभ उठाया

ग्वालियर 25अप्रैल

सहारा हॉस्पिटल सोफिया कॉलेज कैंपस महलगांव सिटी सेंटर ग्वालियर द्वारा ग्वालियर चंबल अंचल में निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श शिविर लगाऐ जा रहे हैं इसी कड़ी में 12 अप्रैल 2026 को ग्वालियर के चीनोर में लगाया गया चीनोर क्षेत्र के मरीज ने शिविर में पहुंचकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया और सहारा हॉस्पिटल की ओर से निशुल्क जांच निशुल्क दवा वितरण का भी खूब लाभ उठाया ।

ज्ञात रहे कि सहारा हॉस्पिटल सोफिया कॉलेज केंपस महलगांव सिटी सेंटर एक मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल है जो सीधे इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल का नेटवर्क है अत्याधुनिक उपकरणों से लैस ओटी है अस्पताल में ट्रामा सेंटर है एमएलसी की सुविधा भी उपलब्ध है गन शॉट एवं एक्सीडेंट के मरीजों को सीधे सहारा हॉस्पिटल में आते हैं तो भर्ती किया जाता है और रियायती दरों पर इलाज और ऑपरेशन किया जाता है अस्पताल में

सहारा हॉस्पिटल में रियायती दरों पर सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज और सर्जरी का लाभ उठाते हुए आयुष्मान योजना अंतर्गत एवं स्वास्थ्य बीमा के अंतर्गत निशुल्क इलाज का लाभ उठाएं - डॉ भल्ला

मरीजों एवं मरीजों के अटेंडरों को निशुल्क भोजन लंगर के माध्यम से दोनों समय उपलब्ध रहता है मरीज के अटेंडर को भोजन के लिए इधर-उधर नहीं भटकना है और ना ही नाते रिश्तेदारों और परिचितों को परेशान करना है अस्पताल की ओर से यह व्यवस्था लागू है सहारा हॉस्पिटल के संस्थापक सुप्रसिद्ध वरिष्ठ चिकित्सक डॉ ए एस भल्ला नाक कान गला रोग विशेषज्ञ का सपना था कि एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज और सभी प्रकार की जांचों की की सुविधा अंचल की जनता को मिलना चाहिए इसी सपने को डॉ ए एस भल्ला साहब साकार कर रहे हैं हॉस्पिटल 35 साल पुराना है पहले हॉस्पिटल 19 - ए , बसंत विहार ग्वालियर में संचालित था अब सोफिया कॉलेज कैंपस महलगांव सिटी सेंटर जीवाजी यूनिवर्सिटी राजमाता विजय राजे सिंधिया प्रतिमा चौराहा और एजी ऑफिस पुल के बीचों बीच है सहारा हॉस्पिटल में आकर मरीज रियायती दरों पर इलाज करा कर लाभ उठा रहे हैं अस्पताल में आयुष्मान योजना से निशुल्क इलाज किया जाता है तथा स्वास्थ्य बीमा धारकों का कैशलेस इलाज किया जाता है ग्वालियर एवं चंबल अंचल की जनता अस्पताल में आकर खूब लाभ उठा रही है अस्पताल की एक और सबसे बड़ी विशेषता है की सभी प्रकार के मरीजों का तथा सभी प्रकार की बीमारियों का ईलाज रियायती दरों पर किया जाता है तथा सभी प्रकार की सर्जरी भी अस्पताल में की जाती है एक्सीडेंट केस और गन शोर्ट सहित अन्य बीमारियों के मरीज 35 वर्षों से सहारा हॉस्पिटल में आकर लाभ उठा रहे हैं

ग्वालियर लोकसभा क्षेत्र से माननीय सांसद भारत सिंह कुशवाह जी को आज उनके ग्वालियर स्थित शासकीय निवास गांधी रोड पर

आदिम जाति कल्याण विभाग छात्रावास आश्रम शिक्षक अधीक्षक संघ (कसस) के संस्थापक प्रांत अध्यक्ष डॉ जवर सिंह अग्र एक पत्र सौंप कर

मध्य प्रदेश शासन के वर्ष 2016 में संपूर्ण मध्य प्रदेश के जिलों में संचालित अनुसूचित जाति वर्ग के कन्या एवं बालक आश्रम बंद कर दिए हैं इन आश्रमों को इसी सत्र से चालू करने के लिए के लिए चर्चा कर ज्ञापन सोफा बंद किए गए आश्रमों के भवन आज भी यथा स्थिति में है स्टाफ को अन्य छात्रावास में पदस्थ करके रखा है तथा स्टाफ यथा स्थिति है इन आश्रमों में निऱ्शुल्क भोजन निशुल्क आवासी व्यवस्था हरशु चल जाति वर्ग के कन्या और बालक छात्रों को मिलती थी आश्रम बंद होने से शिक्षा से बंद वंचित हो रहे हैं प्रत्येक जिले में 100 सीटर और 50 सीटर अनुसूचित जाति के बालक और कन्या आश्रम थे आश्रम बंद होने से अनुसूचित जाति वर्ग के शिक्षा से बचत तो हो ही रहे हैं शासन की ओर से मिलने वाली सुविधाओं से भी वंचित हो रहे हैं माननीय सांसद महोदय ने इन आश्रमों को शीघ्र ही चालू करने का आश्वासन दिया है और माननीय मुख्यमंत्री महोदय को पत्र लिखने का आश्वासन दिया है

अंधभक्त मन हरियर पेड़ ला,
अतका पूजिन कि ठूंठवा पर गे।
नरियर,कपड़ा,चंदन,बंदन अउ,
फूल-पान ला पा के मर गे।।
पाखंड धरम के बुरा नतीजा ला,
हम सब ला भोगे ला परत हे।
तब ले पाखंडी मन हा इहां,
जघा-जघा विनास करत हे।।
लक्ष्मी नारायण कुम्भकार सचेत
दुर्ग (छ0ग0)

रतनशी शाह के सेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहा है न्यास - प्रशांत चौबे

विदिशा - सामाजिक सरोकार के लिए विगत 1996 से प्रतिबद्ध संस्था रतनशी शाह स्मृति न्यास के द्वारा स्थानीय कच्छी भवन में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और सांदीपनि स्कूल के प्राचार्य श्री खजान सिंह जी व उनके स्कूलों के प्रदेश प्रावीण्य सूची में आयें पांच विद्यार्थीयों को सम्मानित किया । समारोह में दीप प्रज्वलन उपरांत न्यास के अध्यक्ष संजय पांडे ने न्यास की भूमिका व स्वागत उद्बोधन दिया न्यास के सचिव बसंत महेश्वरी ने न्यास की गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत जी चौबे ने कहा कि इस तरह के प्रोत्साहन देने वाले कार्यक्रम समाज में होते रहना चाहिए जिससे आगे आने वाली पीढ़ी को बल मिलता है।

बुद्ध पूर्णिमा के पूर्व सांध्य पर विशेष धम्म कार्यक्रम मंगल मैत्री वंदना

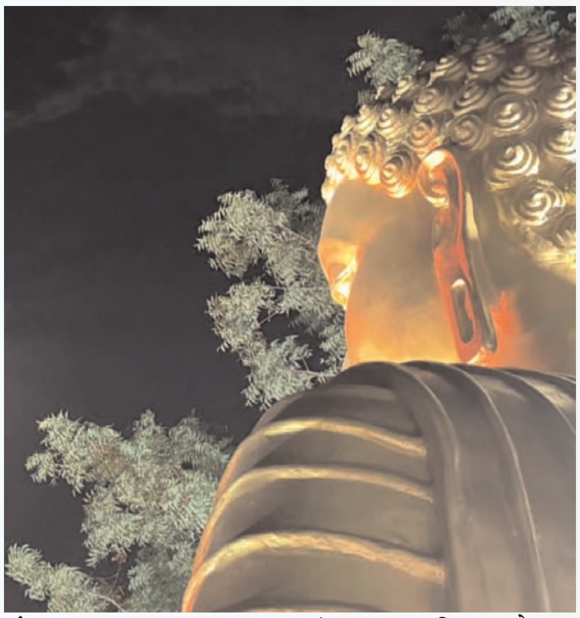

भोपाल।

बुद्ध पूर्णिमा के पूर्व सांध्य पर बुद्धभूमि महाविहार मॉनेस्ट्री, चुनाभट्टी, भोपाल में विश्व शांति के उद्देश्य से ÷मंगल मैत्री वंदना समारोह÷ सहित एक विशेष धम्म कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. फादर आनंद मुतुंगल, हाजी इमरान हारून, प्रो. मनोज जैन, डॉ. धीरेन्द्र शर्मा, महेंद्र शर्मा सहित विभिन्न धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं धर्मगुरुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता भंते शाक्यपुत्र सागर थेरो ने की, जबकि भंते राहुल पुत्र की विशेष उपस्थिति में मंगल मैत्री वंदना का सामूहिक आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में शांति, करुणा, मैत्री एवं समता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प व्यक्त किया गया। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में भगवान बुद्ध के उपदेश विश्व शांति एवं सामाजिक समरसता के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। इस दौरान सभी धर्मों के अनुयायियों ने एक-दूसरे को बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाएँ भी प्रदान कीं।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सद्भाव, नैतिक मूल्यों एवं धम्म के प्रचार-प्रसार को सुदृढ़ करना रहा।

आयोजक

दी बुद्धभूमि धम्मदूत संघ, मध्य प्रदेश

स्थानः

बुद्धभूमि महाविहार मॉनेस्ट्री, चुनाभट्टी, भोपाल

कल त्रिगुण पावन बुद्ध पूर्णिमा महाउत्सव

01 मई 2026 – त्रिगुण पावन बुद्ध पूर्णिमा महाउत्सव तथागत भगवान बुद्ध के जन्म, सम्यक सम्बोधि एवं महापरिनिर्वाण की त्रिगुण पावन स्मृति में बुद्धभूमि महाविहार मॉनेस्ट्री में आयोजित इस धम्म महापर्व में आप एवं आपके समस्त परिवार को सहर्ष, सादर एवं श्रद्धापूर्वक आमंत्रण।

प्रभात धम्म साधना

प्रातः 08ः00 बजे – सामूहिक आनापानसति ध्यान साधना

प्रातः 09ः00 बजे – धम्मचक्कप्पवत्तन सुत्त पाठ

सायंकालीन पुण्य कार्यक्रम

सायं 06ः00 बजे – बोधि पूजा एवं बुद्ध वंदना

सायं 07ः00 बजे – मंगल परित्राण पाठ

रात्रि 08ः00 बजे – दिवंगत श्री श्यामराव साल्वे जी की पुण्य स्मृति में आयुष्मती इंदुबाई साल्वे द्वारा बुद्धरूप दान स्थापना महाअनुष्ठान

रात्रि 08ः30 बजे – भव्य सांस्कृतिक एवं धम्म प्रेरणा समारोह

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :** नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)